सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 177 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 3 अगस्त, 2026
मूल्य ₹ 3/-

जो अच्छे स्वभाव के मनुष्य होते हैं, उनको बुरी संगति भी बिगाड़ नहीं पाती। जहरीले सांप चन्दन के वृक्ष से लिपटे रहने पर भी उस पर कोई जहरीला प्रभाव नहीं डाल पाते। -रहीम दास

लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का अभियान... 7 | एकबार फिर पूरे तेवर में आए राहुल... 3 | चढ़ावा चोरी तैयारी करके आए... 2

उप-चुनाव नतीजे, जनता का मूड बदल रहा है!

राम मंदिर दान चोरी और जेन जी पर लाठियों ने बदला राजनीतिक महौल

» बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की सीट पर प्रशांत किशोर की बढ़त

» दरक रहा है मध्य प्रदेश जैसा मजबूत किला दतिया में कांग्रेस आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपचुनाव सरकारें नहीं बदलते अक्सर वह राजनीति की दिशा बदल देते हैं और देश के तीन सीटों पर हुए उपचुनाव के शुरुआत परिणाम कुछ ऐसी ही इबारत लिखते हुए नजर आ रहे हैं। जो नतीजे आ रहे हैं उससे सत्ता की कुर्सी भले न डगमगाए लेकिन सत्ता के आत्मविश्वास की नींव जरूर हिल गयी है। भारतीय जनता पार्टी जिन सीटों को अपनी प्रतिष्ठा का प्रतीक मान रही थी। उन्ही सीटों पर पिछड़ती दिखायी दे रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के विधानसभा छोड़ने के बाद खाली हुई सीट पर यदि भाजपा जीत दर्ज नहीं कर पाती है तो यह केवल एक सीट का नुकसान नहीं होगा बल्कि संगठन और नेतृत्व की राजनीतिक पकड़ पर भी बहस तेज होगी।

उधर मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर कांग्रेस की बढ़त ने भी सियासी हलकों में हलचल बढ़ा दी है। भाजपा जिन राज्यों को अपने सबसे मजबूत गढ़ के रूप में पेश करती रही है वहां यदि मतदाता अलग संकेत दे रहे हैं तो आने वाले महीनों की चुनावी रणनीति बदलनी पड़ सकती है। बिहार के बांकीपुर से प्रशांत किशोर की लगातार बढ़त इस मुकाबले को और दिलचस्प बना रही है। यदि यह बढ़त जीत में बदलती है तो बिहार की राजनीति में भी एक नया समीकरण खड़ा हो सकता है।

बांकीपुर नितिन नबीन का पुश्तैनी और अजेय गढ़

बांकीपुर कोई साधारण सीट नहीं है बल्कि बीजेपी के मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का वह पुश्तैनी और अजेय गढ़ रहा है जहां 1995 से लेकर अब तक कभी पटना पश्चिम तो कभी बांकीपुर के रूप में भगवा परचम ही लहराता रहा है। खुद नितिन नबीन यहां से लगातार पांच बार विधायक रह चुके हैं और उनके पिता का भी इस क्षेत्र में गहरा राजनीतिक रसूख रहा है। ऐसे में जिस जमीन पर बीजेपी ने अपनी अजेय बादशाहत की इबारत लिखी हो उसी गढ़ के भीतर प्रशांत किशोर का शुरुआती दौर में आगे निकल जाना इस बात का साफ संकेत है कि पीके ने महफिल में वाकई बड़ा खेला कर दिया है। इस सीट पर बीजेपी के नीरज कुमार दूसरे नंबर पर हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक़ बांकीपुर सीट पर कुल 31 राउंड की काउंटिंग होनी है खबर लिखे जाने तक यहां अभी 10 राउंड की गिनती पूरी हुई है जिसमें प्रशांत किशोर 6 हजार से ज्यादा वोटों से अपनी बढ़त बनाए हुए हैं।

रुझानों पर तेजस्वी का प्रतिक्रिया देने से इंकार

बिहार की चर्चित बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव की मतगणना के बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सोमवार को सोनपुर स्थित प्रसिद्ध बाबा हरिहरनाथ मंदिर पहुंचे। सावन की पहली सोमवारी के अवसर पर उन्होंने भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया और राज्य की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। इस दौरान जब मीडिया ने उपचुनाव के शुरुआती रुझानों को लेकर सवाल पूछा, तो तेजस्वी यादव ने चुनावी टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव की मतगणना के शुरुआती रुझानों में जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार के आगे रहने और राजद प्रत्याशी के पीछे चलने को लेकर पत्रकारों ने तेजस्वी यादव से प्रतिक्रिया मांगी। इस पर उन्होंने कहा, चुनाव तो आते-जाते रहेंगे। आज सावन की पहली सोमवारी है। हम बाबा हरिहरनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए आए हैं। आज इसी पर ध्यान देना चाहिए। इस तरह उन्होंने चुनावी नतीजों पर कोई राजनीतिक टिप्पणी करने से परहेज किया।

दतिया ने बढ़ाई भाजपा की चिंता

मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर कांग्रेस की बढ़त ने भाजपा के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। मध्य प्रदेश भाजपा का मजबूत राज्य माना जाता है। ऐसे में यदि यहां मतदाता विपक्ष की ओर झुकते दिखाई देते हैं तो आने वाले चुनावों के लिए पार्टी को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करना पड़ सकता है। दतिया में कांग्रेस प्रत्याशी की लगभग 700 से अधिक वोटों की बढ़त ने राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि अंतिम परिणाम ही निर्णायक होंगे लेकिन शुरुआती संकेतों को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा।

केंद्र सरकार कई राजनीतिक विवादों के घेरे में

इन नतीजों की चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब हाल के दिनों में केंद्र सरकार कई राजनीतिक विवादों का सामना कर चुकी है। विपक्ष सरकार को छात्र आंदोलनों कानून-व्यवस्था और अन्य मुद्दों पर लगातार घेर रहा है जबकि भाजपा इन आरोपों को खारिज करते हुए विकास और संगठन की ताकत पर भरोसा जता रही है। ऐसे माहौल में आए उपचुनाव के परिणाम दोनों पक्षों के लिए राजनीतिक संदेश लेकर आए हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह केवल कुछ सीटों का उतार चढ़ाव है या फिर मतदाता वास्तव में अपना रुख बदलने लगे हैं? इसका अंतिम उत्तर अभी भविष्य के बड़े चुनाव देंगे। लेकिन इतना तय है कि इन उपचुनावों ने भारतीय राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। भाजपा के लिए यह आत्ममंथन का समय हो सकता है जबकि विपक्ष इसे अपने लिए नए अवसर के रूप में देखेगा।

क्या जनता का मूड बदल रहा है?

यही वह सवाल है जो इन उपचुनावों के बाद सबसे ज्यादा पूछा जा रहा है। क्या मतदाता वास्तव में भाजपा से दूरी बना रहे हैं या यह केवल स्थानीय परिस्थितियों का असर है? इसका उत्तर अभी स्पष्ट नहीं है। उपचुनावों में मतदान का प्रतिशत स्थानीय उम्मीदवारों की छवि जातीय और क्षेत्रीय समीकरण अक्सर निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इसलिए केवल इन परिणामों के आधार पर राष्ट्रीय निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। फिर भी राजनीतिक दल ऐसे संकेतों को गंभीरता से लेते हैं क्योंकि वे आने वाले बड़े चुनावों की तैयारी का आधार बनते हैं।

विस सत्र में तैयारी करके आएं सपा विधायक : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले- मानसून सत्र में चंदा चोरी मामले में योगी सरकार को घेरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानमंडल सत्र को लेकर भाजपा विधानमंडल दल की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन की रणनीति के साथ ही सपा समेत विपक्ष को घेरने की रणनीति पर भी विधायकों से खुलकर बात की।

उन्होंने भाजपा और सहयोगी दलों के मंत्रियों को जहां पूरी तैयारी से सदन में कम शब्दों में सटीक जवाब देने की तैयारी के साथ सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए। सीएम ने खास तौर से जेन-जी और जेन-अल्फा को सपा सरकार में युवाओं के खिलाफ किए गए करतूतों की जानकारी देने के लिए युवाओं के निरंतर संवाद करने को कहा।

विधानमंडल के मानसून सत्र से पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी विधायकों को जनता से जुड़े मुद्दों पर मुखर रहने और पूरी तैयारी के साथ सदन में आने के निर्देश दिए। पार्टी मुख्यालय में रविवार को सपा विधानमंडल दल की बैठक में उन्होंने किसान, नौजवान, छात्र, नीट पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में धांधली, खाद-बीज की कमी, महंगाई, पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट, शिक्षा व्यवस्था और रोजगार जैसे मुद्दे उठाने की रणनीति समझाई।

उन्होंने कहा कि भाजपा विधानसभा को पर्याप्त महत्व नहीं दे रही है और मानसून सत्र केवल औपचारिकता बनकर रह गया है। चार दिन के मानसून सत्र पर कटाक्ष करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश ने कहा कि सरकार के चार दिन बचे हैं, इसलिए विधानमंडल का सत्र भी चार दिन का रखा गया है। सपा विधानमंडल दल की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाया। दावा किया कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद पिछले 10 वर्षों में 26386 स्कूल बंद या मर्ज कर दिए गए, जिससे प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों की संख्या लगातार घटी है। प्रदेश में करीब 28 लाख छात्रों का नामांकन कम हुआ है।

भाजपा यूपी के लिए संकट, सत्ता से हटेगी तभी होगा समाधान

अखिलेश ने कहा, यूपी के लिए सबसे बड़ा संकट भाजपा सरकार है। प्रदेश की समस्याओं का समाधान तभी होगा, जब भाजपा सत्ता से बाहर होगी। कहा, सरकार ने छात्रों, नौजवानों और बेटियों के साथ अन्याय किया है। आंदोलनकारी छात्रों से किए गए वादे भी तोड़ दिए गए हैं। सरकार ने भरोसा दिया था कि छात्रों पर मुकदमे नहीं होंगे, पर अब उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। कहा, एक्सप्रेसवे निर्माण और सड़क परियोजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ। लखनऊ-कानपुर सड़क उद्घाटन के बाद धंस गई, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे भी टूट गया। अखिलेश ने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी का मुद्दा उठाया।

चढ़ावा चोरी पर भी विपक्ष को दें आक्रामता के साथ जवाब

योगी ने विधायकों से श्री राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण पर भी विपक्ष को आक्रामकता के साथ जवाब देने को कहा। कहा, सभी को मालूम है कि इस मामले में साधु-संतो, भाजपा या आरएसएस की कोई भूमिका नहीं। फिर भी सनातन विरोधी विपक्ष चुनावी लाभ के लिए इस मामले में भ्रामक प्रचार कर रहा है। सभी जानते हैं कि चंदा चोरी में एक निजी संस्था के जो लोग शामिल थे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो रही है। फिर भी विपक्ष खास तौर से सपा के लोग इस मुद्दे को लेकर झूठे नैरेटिव गढ़ रहे हैं। सभी विधायकों को इसका जवाब देना चाहिए।

सीएम ने सपा पर साधा निशाना

लोकभवन में हुई बैठक में सीएम ने कहा कि 18 से 25 वर्ष के युवा जो नए वोटर बने हैं, वे 17 से पहले की सपा सरकार की करतूतों को नहीं जानते हैं। उस समय वो अपने मां-बाप के संरक्षण में पल रहे होंगे। इसलिए सभी विधायक इस आयु वर्ग (जेन-जी) के युवाओं से नियमित संवाद करें, सोशल मीडिया के जरिये सपा सरकार में हुए कारनामों की उन्हें जानकारी दें। सपा के कार्यकाल में किस तरह से माफिया राज डंका बजता था उसके बारे में बताएं। सपा राज में अपहरण, बलात्कार छेड़खानी आम बात थी। लड़कियों का स्कूल जाना दुश्वार था। भाजपा सरकार ने इसे समाप्त कर दिया। जिन युवाओं ने सपा सरकार के इस माहौल को नहीं देखा है उनके साथ हमें संवाद स्थापित करने के लिए यूनिवर्सिटी, कॉलेज, स्कूलों तक जाना होगा। ब्लॉक स्तर तक काम करना होगा।

होइहि सोइ जो राम रचि राखा : बृजभूषण

» भाजपा के पूर्व सांसद यौन उत्पीड़न मामले में बरी होने के बाद बोले- खुशी का दिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला पहलवानों द्वारा दर्ज कराए गए कथित यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बरी होने के बाद, रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व प्रमुख और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को अपनी पहली प्रतिक्रिया दी।

इस फैसले को अपने और अपने समर्थकों के लिए राहत का पल बताते हुए सिंह ने कहा कि उन्होंने हमेशा यही कहा था कि अगर अदालत में उन पर कोई आरोप साबित होता है, तो वे परिणाम भुगतने के लिए तैयार हैं। अपनी बात की शुरुआत हिंदी की इस पंक्ति से करते हुए - होइहि सोइ जो राम रचि राखा (जो होना है, वही होगा, जैसा भगवान राम ने तय किया है) - सिंह ने अपनी कानूनी टीम का धन्यवाद किया और कहा कि जब तक वे अदालत के पूरे फैसले को पढ़ नहीं लेते, तब तक वे इस पर विस्तार से कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

फैसले के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बृजभूषण ने वही बात दोहराई जो उन्होंने मामले की शुरुआत में कही थी। पहले दिन, जब मेरा पहला बयान आया था, तो मैंने कहा था कि अगर कोई फैसला या कोई आरोप साबित होता है, तो मैं फांसी लगा लूंगा। आज, अदालत ने मुझे सम्मान के साथ बरी कर दिया है। यह मेरे और मेरे समर्थकों के लिए खुशी की बात है... आज खुशी का दिन है। कहा कि हालांकि फैसले से राहत मिली है, लेकिन मामले पर आगे कोई भी टिप्पणी करने से पहले वे अदालत के विस्तृत आदेश का इंतजार करेंगे।

बसपा में नहीं थम रही उठापटक

» फिर पदाधिकारी बदलने पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले दलित, ओबीसी और सवर्ण वोट बैंक को साधने की रणनीति में जुटी बहुजन समाज पार्टी के भीतर अचानक तेज हुई अंदरूनी हलचल ने संगठन और चुनावी तैयारियों को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी सुप्रीमो मायावती द्वारा राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के ससुर और वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद संगठन के भीतर असमंजस का माहौल है। कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने इस पूरे घटनाक्रम पर चुप्पी साध रखी है।

सूत्रों के मुताबिक, करीब 15 दिन पहले मायावती ने आकाश आनंद का राजस्थान दौरा रद्द कर उन्हें और पार्टी उपाध्यक्ष आनंद कुमार को लखनऊ बुलाया था। तीन दिन तक विधानसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन हुआ। आकाश को प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया में भूमिका देने और कार्यकर्ता सम्मेलनों की जिम्मेदारी सौंपने पर सहमति बनी थी। हाथरस और जेवर में उनके कार्यक्रम भी प्रस्तावित थे। इसके बाद मायावती ने प्रत्याशियों के चयन का अधिकार अपने पास रखने की घोषणा कर दी, जिससे आकाश की भूमिका सीमित हो गई। दिलचस्प यह है कि अशोक सिद्धार्थ ने इस फैसले का सोशल मीडिया पर समर्थन किया था।

जनहित पर सैनी सरकार को कांग्रेस ने घेरा

» संगठन को मजबूत करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस ने दक्षिण हरियाणा खासकर मेवात क्षेत्र से संगठन को मजबूत करने का काम शुरू कर दिया है। हरियाणा प्रभारी संजय दत्त और प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की मौजूदगी में शनिवार को हुई नूंह जिले की संगठनात्मक बैठकों में साफ संकेत दिए गए कि पार्टी अब बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने के साथ भाजपा सरकार को जनहित के मुद्दों पर लगातार घेरेगी।

बैठकों में जिला कांग्रेस कार्यकारिणी के साथ नूंह, पुन्हाना और फिरोजपुर झिरका विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। संजय दत्त ने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और बूथ-बूथ तक संगठन सक्रिय करने का आह्वान करते हुए भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ जनसंपर्क अभियान तेज करने के लिए कहा। उन्होंने संसद में विपक्ष के सवालों, छात्रों पर कथित कार्रवाई, राम मंदिर से जुड़े चोरी के मामले और महिला आरक्षण जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार को निशाने पर लिया।

भाजपा सरकार में दलित और गरीब वर्गों की योजनाओं में भ्रष्टाचार बढ़ा : राव नरेंन्द्र

प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भी अपने संबोधन में भाजपा सरकार पर दलित और गरीब वर्गों की योजनाओं में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने अंबाला में डॉ. भीमराव आंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना में सामने आए घोटाले का जिक्र कर इसे सुशासन के दावों पर सवाल बताया। राजनीतिक जानकारों के अनुसार कांग्रेस मेवात जैसे अपने पारंपरिक प्रभाव वाले क्षेत्र से संगठन को मजबूत कर आगामी राजनीतिक लड़ाई की नींव तैयार कर रही है।

कर्नाटक में डीके शिवकुमार कैबिनेट का विस्तार

» 12 नए चेहरों को मिली जगह गायत्री शांतेगौड़ा एकमात्र महिला मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कांग्रेस आलाकमान ने सोमवार को डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कर्नाटक कैबिनेट के विस्तार को मंजूरी दे दी। इसमें 20 मंत्रियों के नामों को मंजूरी दी गई, जिनमें एक महिला चेहरा गायत्री शांतेगौड़ा भी शामिल हैं। नई कैबिनेट में 12 नए चेहरों को मौका मिला है, जबकि 8 मौजूदा मंत्रियों को बरकरार रखा गया है।

एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्रस्वामी, शिवराज तंगदागी, रुद्रप्पा लमानी, केएस बसवंतप्पा, बी नागेंद्र, टी रघुमूर्ति, जमीर अहमद खान, रिजवान अरशद, संतोष लाड, मधु बंगारप्पा, पुत्तुरांगशेट्टी, मनकला वैद्य, अजय सिंह, एन चालुवरया स्वामी, केएम शिवालिंगे गौड़ा, एचसी बालकृष्ण, गायत्री शांतेगौड़ा, बसवराज रायरेड्डी, विजयानंद कशप्पनवर और लक्ष्मण सावदी को मंत्री के रूप में शामिल करने की मंजूरी दे दी। कर्नाटक कैबिनेट विस्तार का शपथ ग्रहण समारोह बेंगलुरु के लोक भवन में शाम 4: 5 बजे होगा।

मंजूर किए गए नामों में गायत्री शांथेगौड़ा एकमात्र महिला मंत्री हैं। इस सूची में कैबिनेट में शामिल होने वाले कई नए चेहरे भी हैं, जिनमें पीएम नरेंद्रस्वामी, केएस बसवंथप्पा, टी. रघुमूर्ति, पुत्तरंगशेट्टी, अजय सिंह और गायत्री शांथेगौड़ा शामिल हैं जबकि कई पूर्व मंत्री भी मंत्रिपरिषद में वापसी कर रहे हैं। कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक विधानमंडल में अहम पदों पर नियुक्तियों को भी मंजूरी दे दी है। जीएस पाटिल को विधानसभा अध्यक्ष, एएस पोन्नान्ना को उपाध्यक्ष, सलीम अहमद को विधान परिषद के सभापति और उमाश्री को विधान परिषद की उप-सभापति के पद के लिए मंजूरी दी गई है। इससे पहले दिन में कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा था कि कैबिनेट विस्तार पर अंतिम फैसला कांग्रेस आलाकमान का होगा।

एकबार फिर पूरे तेवर में आए राहुल-प्रियंका

संसद सत्र के दौरान कांग्रेस भाजपा पर पड़ी भारी

- रास में मनुस्मृति पर घमासान, भाजपा ने कांग्रेस पर किया प्रहार
- कांग्रेस अध्यक्ष खरगे व भाजपा के मंत्री नड्डा में तीखी बहस
- विपक्ष ने जारी रखा हंगामा
- ओम बिरला ने सांसदों को दे दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिरकार मानसून सत्र का ये हफ्ता भारी हंगामें के बीच सोमवार तक के लिए स्थगित हो गया। इस दौरान विपक्ष ने नीट पेपर लीक के लिए छात्रों के प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज पर गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग करती रही है। कुछ पेपर लीक व वंदे मातरम जैसै बिल पास हो गए। लेकिन इस बीच कांग्रेस के तेवर से भाजपा जरूर सहमी नजर आई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी अपने भाषणों से कई बार भाजपा को बैकफुट पर लाया। इसमें उनका साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिया।

हालांकि अन्य सहयोगी दलो ने भी कांग्रेस का साथ देकर मोदी सरकार को असहज किया। इसबीच ने भाजपा ने भी समय-समय पर कांग्रेस पर पलट वार जारी रखा। फिर सीजेपी के आंदोलन से दबाव में आई एनडीए सरकार पर विपक्ष ने भी खूब दबाव बनाए रखा। उधर हफ्ते के आखिरी दिन लोकसभा में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चंदा चोरी के मुद्दे पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही शुरू होने के दो मिनट बाद ही स्थगित करनी पड़ी। इस दौरान प्रियंका गांधी प्रश्न पूछने के लिए खड़ी रहीं। जबकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हंगामा कर रहे सांसदों को चेतावनी देते हुए प्रश्नकाल चलने देने की अपील की।

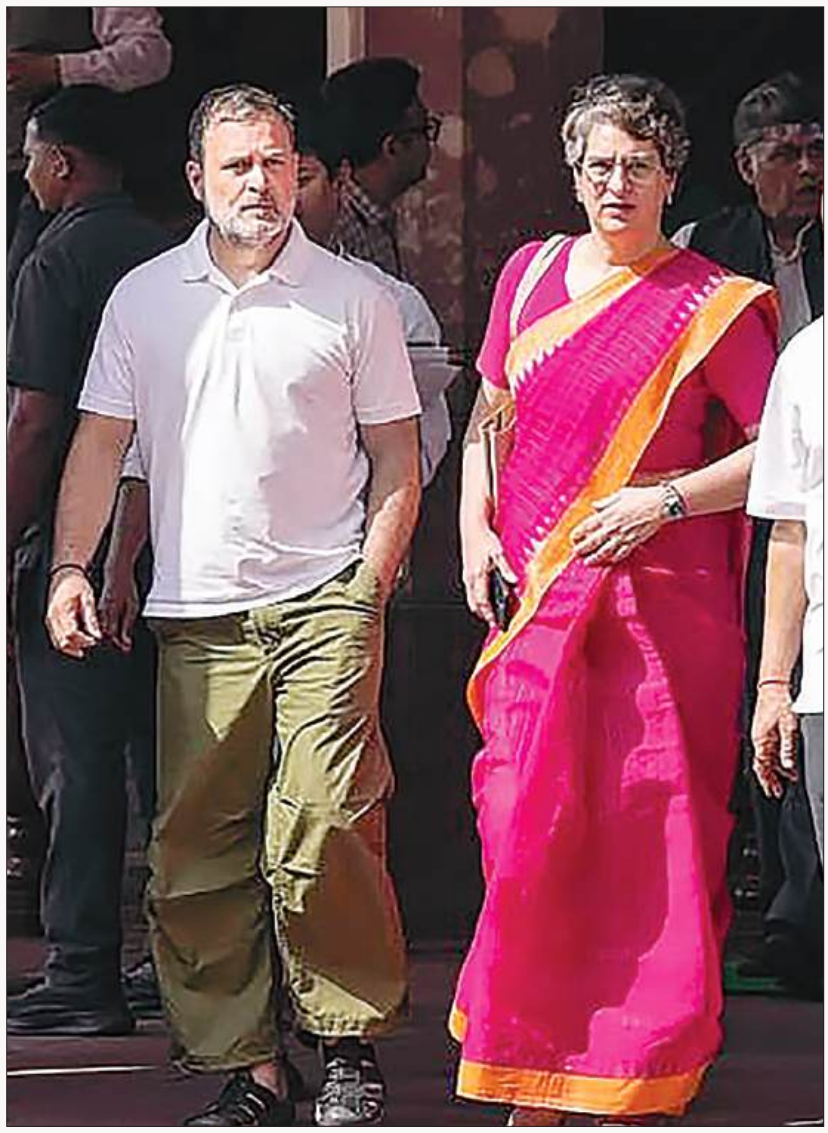

असंसदीय भाषा का इस्तेमाल न करें नेता विपक्ष : नड्डा

सदन के नेता जेपी नड्डा ने खरगे के दावों को खारिज करते हुए कहा कि ये बातें सच से बहुत दूर हैं और इनसे देश में गलत संदेश जा सकता है। बहस के दौरान किए गए जिक्र पर आपत्ति जताते हुए नड्डा ने कहा कि खरगे को अपने बयान की पुष्टि करनी चाहिए। नड्डा ने कहा कि हम विपक्ष के नेता की बात शांति से सुन रहे हैं और लोकतंत्र में ऐसा करना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन मैं विपक्ष के नेता से गुजारिश करता हूँ कि वे गुस्से में आकर न बोलें या असंसदीय भाषा का इस्तेमाल न करें। उन्होंने अभी जो वाक्य इस्तेमाल किया है, वह असंसदीय है और उसे कार्यवाही से हटा दिया जाना चाहिए। उन्हें भावुक होकर ऐसी बातें कहने से बचना चाहिए।

राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने किया दखल

जब बहस तेज हुई, तो राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने दखल दिया और आदेश दिया कि मनुस्मृति और उद्धृत सामग्री के बारे में खरगे की टिप्पणियां आधिकारिक रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं होंगी। बहस के दौरान खड़गे ने तर्क दिया कि पेपर लीक रोकने के लिए प्रस्तावित कानून से सिर्फ सजा बढ़ाने या फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने से समस्या हल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इसके बजाय, सिस्टम में सुधार करके प्रश्न-पत्र लीक होने से रोकने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। खड़गे ने केंद्र सरकार पर शिक्षा का व्यवसायीकरण करने का आरोप भी लगाया और कहा कि गरीब छात्रों को समान अवसर मिलने में लगातार रुकावटें आ रही हैं।

प्रियंका गांधी हंगामें के बीच खड़ा रहना पड़ा

प्रश्न पूछने के लिए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा खड़ी रहीं, लेकिन विपक्ष ने हंगामा जारी रखा। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भेष बदलकर आने वाले सांसदों को कार्रवाई की चेतावनी दी। शुक्रवार को सदन की बैठक शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के विषय को लेकर आसन के निकट पहुंचकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। हंगामे की स्थिति को देखते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने और प्रश्नकाल चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, कई बार आग्रह किया है कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है, यह सदस्यों का समय है। आप प्रश्नकाल के अंदर नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा मत करिये। आप सदन को चलने दें। ओम बिरला ने कहा, आज प्रियंका गांधी वाड्रा का भी प्रश्न होना है और वह प्रश्न पूछने के लिए खड़ी हैं लेकिन आप लोग सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। बिरला का कहना था कि सदन के अंदर तख्तियां और बैनर लेकर आना संसद की परंपराओं और मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है।

जेन जेड का भरोसा जीतने के लिए पीएम को दिल का एंगल बदलना होगा : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया 'इंस्टाग्राम' वीडियो को लेकर लोकसभा में उन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि सरकार को 'जेन जेड' का भरोसा जीतना है तो उन्हें 'कैमरे का एंगल' नहीं, बल्कि 'दिल का एंगल' भी बदलना पड़ेगा। उन्होंने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को इसका जवाब देना चाहिए कि किसके आदेश पर छात्रों के खिलाफ पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया था। प्रियंका गांधी ने 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई का उल्लेख किया और कहा कि लड़के और लड़कियों की पीठ पर पड़ने वाली हर लाठी सरकार की पीठ पर पड़ी है। उन्होंने कहा, ''आज हम सदन में एक ऐसे विधेयक में संशोधन पर चर्चा कर रहे हैं, जो 24 में पारित हो चुका था। इसमें मुख्य संशोधन यही है कि पेपर लीक के अपराधियों के लिए सजा बढ़ाई जाएगी, लेकिन जब से यह विधेयक पारित हुआ है सरकार ने एक भी अपराधी को सजा नहीं दी।'' उन्होंने कहा कि देश देख रहा है कि 'फेस रिकगनिशन' के जरिए, प्रदर्शन करने वाले बच्चों के नाम सार्वजनिक किए जा रहे हैं, लेकिन यही काम प्रश्नपत्र लीक के अपराधियों के लिए नहीं किया गया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को अपने सलाहकार बदलने चाहिए क्योंकि वह असलियत से बहुत दूर हो चुके हैं।

भेष बदलकर आने वाले सदस्यों को चेतावनी

बिरला ने कहा, कुछ माननीय सदस्य जिस तरह भेष बदल-बदलकर आते हैं उन्हें मेरी चेतावनी है। कई सदस्यों ने मुझसे मिलकर और मुझे लिखकर कहा है कि संसद भवन और संसद परिसर की पवित्रता और मर्यादा बनी रहनी चाहिए। आप संसद की पवित्रता और गरिमा को समाप्त कर रहे हैं।

राम मंदिर का मुद्दे पर जवाबदेही की मांग

संसद परिसर में अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को नाट्यकला के माध्यम से दर्शाते हुए विपक्ष ने बीजेपी पर निशाना साधा। साथ ही इस मामले पर संसद में चर्चा कराने तथा जवाबदेही तय करने की मांग की।

रास में पेपर लीक विरोधी बिल पर बहस के दौरान खरगे ने घेरा

राज्यसभा में पेपर लीक विरोधी बिल पर बहस के दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने मनुस्मृति का जिक्र पर सियासी घमासान छिड़ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष शिक्षा में जातिगत भेदभाव और सरकार की नीतियों की आलोचना की, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। सदन के नेता जेपी नड्डा ने इन दावों को खारिज कर असंसदीय बताया, जिसके बाद सभापति ने मनुस्मृति संबंधी खड़गे की टिप्पणियों को कार्यवाही से हटाने का आदेश दिया। राज्यसभा में विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी बहस हुई। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की शिक्षा नीतियों की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा गरीबों की पहुँच से दूर होती जा रही है और विश्वविद्यालयों में अहम पदों पर संघ से जुड़े लोगों को नियुक्त किया जा रहा है।

शिक्षा में जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देती मनुस्मृति : खरगे

खरगे ने यह भी दावा किया कि स्कूल और यूनिवर्सिटी के सिलेबस में बदलाव किए जा रहे हैं और मनुस्मृति का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि यह शिक्षा में जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देती है। खड़गे ने आरोप लगाया कि मनुस्मृति ने शिक्षा के क्षेत्र में जातिवाद को बढ़ावा दिया है, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। इन टिप्पणियों के तुरंत बाद एनडीए सांसदों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिसके चलते सदन में नारेबाजी और बार-बार व्यवधान उत्पन्न हुआ।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्राकृतिक संतुलन के लिए बाघ का बढ़ना जरूरी

अभी हाल में अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया गया। इसमे जानकारी मिली दुनिया में बाघों की संख्या घट रही है। यह एक चिंता विषय है। प्राकृतिक संतुलन के इनकी संख्या बढ़नी चाहिए। बाघ दिवस मनाने का मुख्य मकसद विश्व भर में तेजी से घटती बाघों की आबादी को रोकने एवं उनके संरक्षण के प्रति समूची दुनिया को जागरूक करना होता है। जंगल की शान कहे जाने वाले बाघों के लिए समर्पित है। सालाना ये दिन 29 जुलाई को पूरे संसार में मनाया जाता है। बाघ आबादी में भारत के अलावा दूसरे पायदान पर रूस है। अखिल भारतीय बाघ जनगणना-22 में बाघों की जितनी संख्या बताई गई थी, उनमें अब 12 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। हालांकि, संपूर्ण संख्या अगली गणना में ही सामने आएगी। बाघ संरक्षण की दिशा में बीते कुछ वर्षों से सराहनीय प्रयास हुए हैं। बाघों का सर्वेक्षण आधुनिक तकनीकों से किया जाने लगा है। प्रत्येक टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में कैमरे लगवाए गए हैं, ताकि उनकी मुकम्मल आबादी का पता चल सके और उनकी चहलकदमी पर नजर रखी जा सके।

पिछली बाघ जनगणना के दौरान मध्यप्रदेश के शिवपुरी में एकाध बाघ दिखे, तो केंद्र सरकार ने 9 मार्च 25 को उस जगह को 58 वां टाइगर रिजर्व स्थापित कर दिया जिसका नाम 'माधव राष्ट्रीय उधान' रखा गया। यह प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व है। शुरुआत रूस स्थित 'पीटरर्सबर्ग टाइगर संरक्षण शिखर सम्मेलन' के दौरान वर्ष-2010 में की गई थी। विश्व में बाघों की संख्या करीब 78 फीसदी तक घट चुकी है। गनीमत है कि भारत बाघों के मामले में अभी भी टॉप पर है। वैश्विक स्तर के आंकड़ों पर गौर करें, तो अनुमानित, बाघों की संख्या पूरे विश्व में लगभग 5,500 के बीच है। इनमें से 72 प्रतिशत आबादी अकेले हिंदुस्तान में ही है। 2022 बाघ जनगणना में भारतीय जंगलों और टाइगर रिजर्व में 3,682 जंगली बाघ थे, इनमें पिछले दो वर्षों में इजाफा ठीक ठाक हुआ। ग्लोबल टागईर दिवस-25 की थीम थी, हमारे हाथों में हैं बाघों का संरक्षण। बाघों के लुप्त होते कारणों में आवासों की कमी, वन-विखंडन, अवैध शिकार, मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसे मुख्य वजहें हैं। अगर ये रूक जाएं, तो बाघों की संख्या एकाएक बढ़ जाएगी। एशिया के कुछ देश ऐसे हैं जहां बाघ पूरी तरह से विलुप्त हो गए हैं उनमें, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं। कुछ मुल्क विलुप्ति की कगार पर हैं। बाघों का अवैध शिकार समूचे संसार में तेजी से जारी है। होता क्यों है? ये भी जानना जरूरी है। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बाघों के अंगों की सदैव से भारी डिमांड रही है जिनमें एशियाई बाघों की सबसे ज्यादा। बाघ संरक्षण क्षेत्रों में और सख्तियां बरतने की जरूरत है।

"बाघ संरक्षण की दिशा में बीते कुछ वर्षों से सराहनीय प्रयास हुए हैं। बाघों का सर्वेक्षण आधुनिक तकनीकों से किया जाने लगा है। प्रत्येक टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में कैमरे लगवाए गए हैं, ताकि उनकी मुकम्मल आबादी का पता चल सके और उनकी चहलकदमी पर नजर रखी जा सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आंदोलन ने दिया मीडिया को आत्ममंथन का मौका

विश्वनाथ सचदेव

राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर विद्यार्थियों-युवाओं का आंदोलन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के साथ भले ही समाप्त हो गया हो, पर उसकी गूंज एक लम्बे अर्से तक सुनाई देगी। इन तीस-पैंतीस दिनों के आंदोलन के दौरान बहुत कुछ ऐसा हुआ है जो अर्से तक याद रखा जायेगा। इस बहुत कुछ में युवाओं द्वारा 'गोदी मीडिया' के विरुद्ध लगाये गये नारे भी हैं जिन पर स्वयं मीडिया वालों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। जिस तरह मुख्यधारा के कुछ समाचार चैनलों के खिलाफ प्रदर्शनकारी आवाज उठा रहे थे वह अपने आप में मीडिया के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ मीडिया कर्मियों पर जिस तरह के हमले हुए, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता। युवाओं को पूरा हक है कि वे मीडिया के प्रति अपने असंतोष का इज़हार करें, उनका गुस्सा भी जायज हो सकता है, पर पत्रकारों पर शारीरिक हमले का समर्थन नहीं किया जा सकता।

यह सब कहने के बाद एक सवाल जो पूरी गंभीरता के साथ उठता है वह मीडिया की छवि का है। 'गोदी मीडिया' के नाम से मीडिया के जिस वर्ग को आज देश में जाना जा रहा है, वह कुल मिलाकर सरकार-समर्थक वर्ग ही है। सरकार की कमियों और अच्छाइयों दोनों को सामने लाना पत्रकारिता का काम है। जनतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका बहुत स्पष्ट है-यह भूमिका ईमानदार पहरेदारी की है। जनतंत्र का चौथा स्तंभ है यह पहरेदार और इस स्तंभ की सबसे बड़ी ताकत इसकी विश्वसनीयता है। समाज पत्रकार से यह अपेक्षा करता है कि वह जो देख-समझ रहा है उसे ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ समाज के सामने रखेगा। यही उसकी निष्पक्षता का मानदण्ड है। था एक ज़माना जब अखबार में लिखे शब्द पर पाठक लगभग अंधविश्वास करता था। यह अंधविश्वास भी ठीक नहीं कहा जा सकता, पर इतना तो कहना पड़ेगा कि यह विश्वास पत्रकारिता की सबसे कीमती पूंजी और सबसे बड़ी ताकत है। यह ताकत कमजोर पड़ती दिखने लगी है! आवश्यकता यह समझने की है कि यह स्थिति कैसे आयी?

आजादी प्राप्त करने से पहले तक हमारे देश की पत्रकारिता का इतिहास कुल मिला कर समाज-सेवा का ही था। विशेषकर भाषाई पत्रकारिता का इतिहास। देश के पहले हिंदी अखबार का तो ध्येय वाक्य ही 'हिंदी जन के हेत' यानी 'हिंदुस्तानियों के हित के लिए' था। एक मिशन थी पत्रकारिता।

यह स्थिति एक अर्से तक बनी रही, पर धीरे-धीरे सेवा की जगह सत्ता हमारी पत्रकारिता पर हावी होती गयी। जंतर-मंतर पर युवा प्रदर्शनकारियों ने जिस पत्रकारिता पर हमला किया था वह सत्ता वाली पत्रकारिता ही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज देश की पत्रकारिता के एक बड़े वर्ग पर 'आंख मूंद कर सरकार-परस्ती' का आरोप लग रहा है। खुलेआम कहा जा रहा है कि देश के मीडिया का एक बड़ा वर्ग जैसे सरकार की गोद में जाकर बैठ गया है। इसी पक्षधरता का एक उदाहरण यह है कि युवाओं के इस आंदोलन के शुरुआती दौर में कई दिन तक हमारे समाचार चैनलों में कॉकरोच जनता पार्टी की गतिविधियां रहस्यमय ढंग से गायब ही रही थीं। अखबारों में भी इससे सम्बंधित समाचार मुख्यत: भीतर के पन्नों पर ही जगह पाते थे। बाद के दिनों में जब युवाओं का यह आंदोलन लगातार व्यापक होने लगा तो किसी के लिए इसकी अनदेखी करना संभव नहीं रह गया था। तब शायद पहली बार मुख्यधारा के समाचार चैनलों के प्रतिनिधि 'कॉकरोच-आंदोलन' की जमीनी रिपोर्टिंग के लिए पहुंचे थे- और तब शायद पहली बार 'गोदी मीडिया' पर युवाओं का गुस्सा इतना प्रखर होकर सामने आया था। हमेशा से पत्रकारिता की इज्जत रही है समाज में। मीडियाकर्मियों को अधिकांशत: आदर की दृष्टि से ही देखा जाता रहा है। आज जबकि पत्रकारिता मिशन की जगह व्यवसाय मात्र बन कर रह गयी है, अखबार को साबुन की टिकिया की तरह बेचा जा रहा है और देश का सबसे बड़ा 'मीडिया घराना' खुलेआम यह कहता दिखता है कि 'हम विज्ञापन का व्यापार करते हैं' तो समाज से यह अपेक्षा करना कि वह मीडिया की भूमिका को अतिरिक्त आदर के भाव से देखेगा और यदि पत्रकारिता एक विशिष्ट पेशा है तो मीडिया से यह आशा करना गलत नहीं होगा कि वह अपनी विशिष्टता की रक्षा के प्रति सावधान रहे। दुर्भाग्य से ऐसा होता दिख नहीं रहा। इसका ही परिणाम है कि आज हमारा मीडिया विश्वसनीयता के एक गहरे संकट से गुजर रहा है। इस संकट के तीन बड़े कारण हैं व्यावसायिक दबाव, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सनसनीपरकता। इसके साथ ही 'सबसे पहले और सबसे आगे' का लालच भी मीडिया की विश्वसनीयता को कम कर रहा है। घटती विश्वसनीयता का यह संकट लगातार गहराता जा रहा है। इसके कारण कुछ भी रहे हों।

नाविकों की सुरक्षा के लिए कारगर कूटनीतिक पहल जरूरी

एडमिरल अरुण प्रकाश सेवानिवृत्त

उन्नीस जुलाई को, यूक्रेन के पास समुद्री रास्ते से गुजर रहे गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज़ पर रूसी क्रूज मिसाइलों के हमले में मारे गए 10 परिचालन दल में 4 भारतीय नाविक भी थे। इससे पहले, काला सागर में रूसी जलक्षेत्र से गुजरते समय एक व्यापारिक जहाज पर हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी। अप्रैल से अब तक, काला सागर में व्यापारिक जहाज़ों पर हमलों में पांच भारतीय समुद्री कर्मियों ने जान गंवाई है। इससे पहले फारस की खाड़ी में भी हालात बहुत तनावपूर्ण रहे, जहां होर्मुज जलडमरूमध्य में हुए हमलों में सात भारतीय समुद्री कर्मचारी मारे गए- अमेरिकी नौसेना के मिसाइल हमलों में तीन और ईरानी ड्रोन हमलों में चार मरे।

आज, दुनियाभर में 3,00,000 से ज़्यादा भारतीय नागरिक व्यापारिक जहाजरानी में काम कर रहे हैं;वे सब खतरे में हैं। तटस्थ देशों के व्यापारिक जहाजों और उनके परिचालन दल को निशाना बनाना नैतिकता का सवाल उठाता है, जिसका संबंध चल रहे संघर्षों के गुण-दोष से नहीं -ये झगड़े अब कभी न खत्म होने वाले लगते हैं और इनकी शुरुआत की वजह भी धुंधली पड़ चली है। सैन रेमो मैनुअल में सशस्त्र संघर्ष के नियमों को लेकर एक स्पष्ट रेखा खींची गई है। हालांकि युद्ध में शामिल पक्षों को दुश्मन के व्यापारिक जहाज़ों या दुश्मन के लिए प्रतिबंधित सामान ले जाने वाले जहाज़ों को रोकने, उन पर चढ़कर तलाशी लेने और ज़ब्ती की इजाजत है लेकिन अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत तटस्थ मुल्कों का झंडा लगे,तीसरे देश के नागरिकों से बने परिचालन दल और आम नागरिकों का सामान ले जाने वाले मर्चेंट जहाज़ पर हमला नहीं किया जा सकता। चेतावनी या बिना चेतावनी मिसाइल से व्यापारिक जहाज पर हमले को युद्ध कानूनों के हर पहलू का मार्गदर्शन करने वाले जुड़वां सिद्धांतों- सैनिकों और नागरिकों के बीच 'अंतर' और 'आनुपातिकता'-के तहत सही ठहराना बहुत मुश्किल है। किसी देश की घरेलू कानूनी प्रणाली (संयुक्त राष्ट्र के बजाय) द्वारा लगाए प्रतिबंधों का अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत कोई कानूनी आधार नहीं।

इसलिए, व्यापारिक समुद्री कर्मियों पर हमला करने और हत्या करने को 'कोलेटरल डैमेज' यानी अनजाने में हुआ नुकसान नहीं कहा जा सकता। ऐसे निंदनीय कृत्यों की गंभीरता तब और बढ़ जाती है जब विदेशी जलक्षेत्र में समुद्री कर्मियों के पास कोई अधिकार या मदद नहीं हो, और अक्सर उन्हें दूतावासीय मदद भी नहीं मिलती। यदि युद्धग्रस्त जलक्षेत्र में तटस्थ जहाजों को निशाना बनाना सामान्य बन जाए, तब दुनिया से 'मुक्त समुद्री आवाजाही' खत्म हो जाएगी। यह अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने को एक बुनियादी और अनिवार्य अंग है, जिस पर खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार एवं अर्थव्यवस्था टिकी है। एक तटस्थ देश के जहाज पर होने वाला हर हमला अगले जहाज के खिलाफ जवाबी कार्रवाई को सामान्य और जायज़ बनाता है।

तो, इस खतरनाक चलन को रोकने,पलटने के लिए भारत और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के पास कौनसे कूटनीटिक या कानूनी तरीके हैं? पहला, कड़े विरोध-पत्र जारी करना और अत्यंत कठोर शब्दों में सार्वजनिक नाराजगी जताना जारी रखना चाहिए और तीव्रता बढ़ाते जाएं। रूस-यूक्रेन और साथ ही अमेरिका-इस्राइल-ईरान युद्ध में शामिल पक्षों पर समान रूप से कूटनीतिक दबाव डाला जाए ताकि चुनिंदा मामलों में ही नाराजगी दिखाने के आरोप न लगें। दूसरा, भारत अंतर्राष्ट्रीय नौवहनीय संगठन (आईएमओ) से मांग करे और दबाव डाले कि वह आवश्यक खाद्य एवं ऊर्जा आपूर्ति ले जाने वाले व्यापारिक जहाजों के लिए वास्तविक समय में 'कोई भी हमला प्रतिबंधित' करने वाली अधिसूचन जारी करे और सुरक्षित गलियारे की निशानदेही कर उसपर अमल करवाए। काला सागर से अनाज निर्यात के लिए जो व्यवस्था पहले से है, उसे संघर्षरत अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जाए और स्वतंत्र निगरानी संग सख्ती से लागू हो। तीसरा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ऐसा बाध्यकारी प्रस्ताव लाने पर जोर दिया जाए जो पुन: सुनिश्चित करता हो कि तटस्थ मुल्कों के, आम नागरिकों से बने परिचालन दल वाले व्यापारिक जहाज नौसैनिक युद्ध कानूनों के तहत सुरक्षित वर्ग में हैं, और मनमाने हमलों को युद्ध अपराध माना जाएगा और उनकी जांच की जाएगी। चौथा, भारत बतौर एक 'पसंदीदा सुरक्षा भागीदार' उन अन्य देशों के साथ मिलकर काम करे जिनके नाविकों को खतरा है, ताकि तेजी से कार्रवाई और लोगों को सुरक्षित निकालने की क्षमता बनाई जा सके।

इस योजना के तहत, नौसेना या तटरक्षक बल की टुकड़ियों को उन संवेदनशील इलाकों (जैसे होर्मुज़, ओमान खाड़ी, अदन की खाड़ी, काला सागर के रास्ते) के पास तैनात कर सकते हैं, जहां से प्रभावित नाविकों को सुरक्षित निकालने का काम किया जा सके। आखिर में, सरकारी एजेंसियों को इस पर जोर देना चाहिए कि जहाज़ के मालिक अपने नाविकों को यात्रा के दौरान युद्ध के जोखिम बारे पहले से बताएं और उन्हें बिना नौकरी खोए युद्धग्रस्त क्षेत्र में ड्यूटी से इंकार करने का हक दें। जो लोग स्वेच्छा से काम करने के लिए तैयार हों, उन्हें खतरों की जानकारी और युद्ध-जोखिम बीमा दिया जाए। व्यापारिक नाविकों की परेशानी जिस बड़ी समस्या का एक लक्षण भर है, वह है: शक्तिशाली देशों द्वारा स्थापित नियमों व अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की सरेआम अनदेखी। लंबे समय से, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय उन नेताओं का सामना करने में कमजोर रहा जो ऐसे बर्ताव करते हैं ।

सावन में शिव पूजा

करने पर मिलेगी सभी सुखों की प्राप्ति

सावन का महीना भगवान शिव को सबसे अधिक प्रिय है। इस पवित्र महीने में महिलाएं प्रत्येक सोमवार को व्रत रखकर महादेव की पूजा-अर्चना करती हैं। माना जाता है कि भगवान शिव की उपासना करने से जीवन में सुख समृद्धि आती है। साथ ही व्यक्ति की सभी मनोकामना भी पूरी होती है। हिंदू धर्म में सावन का विशेष धार्मिक महत्व होता है। श्रावण मास को साल का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। बहुत से लोग इस माह को सावन का महीना भी कहते हैं। सावन में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा बहुत श्रद्धा और भक्ति भाव से की जाती है। इस वर्ष श्रावण मास 30 जुलाई से 28 अगस्त तक रहेगा। जिसमें चार सोमवार पड़ेंगे। सावन माह में शिव आराधना करने पर सभी तरह के सुखों की प्राप्ति होती है।

सावन सोमवार का महत्व

कहा जाता है कि जो व्यक्ति सावन के सोमवार का व्रत करता है और भोलेनाथ का पूजन करता है उसके वैवाहिक जीवन खुशियों से भर उठती है। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि की कभी कमी नहीं होती। सावन के महीने में महादेव पर धतूरा, बेलपत्र चावल चंदन, शहद आदि जरूर चढ़ाना चाहिए। सावन के महीने में की गई पूजा से भोलेनाथ जल्दी प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा सावन के सोमवार का व्रत करने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

पूजा विधि

सावन सोमवार पर व्रती सुबह शिवलिंग पर जलाभिषेक करके व्रत का आरंभ करते हैं और फिर पूरे दिन व्रत करते हैं। कुछ महिलाएं मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए सोमवार व्रत करती हैं और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शाम के वक्त में रुद्राभिषेक करने से शिवजी साधक के सभी कष्टों को दूर करते हैं। मान्यता है कि इस महीने में किए गए दान और पुण्य का फल कई गुना बढ़ जाता है।

श्रावण मास में क्या होता है?

इस पावन मास में भक्त माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा करते हैं। अविवाहित बालिकाएं श्रावण के हर मंगलवार को मंगला गौरी का व्रत रखती हैं। सावन महीने के दौरान कांवड़ यात्रा भी बहुत प्रसिद्ध है, जिसमें भक्त पवित्र गंगा के पास अलग अलग धार्मिक स्थानों पर भी जाते हैं और वहां से गंगाजल लाकर शिवरात्रि के दिन भगवान शिव को चढ़ाते हैं।

इन मंदिरों में करें भगवान शिव के दर्शन

सोमनाथ मंदिर, काठियावाड़

गुजरात में स्थित सोमनाथ मंदिर भी 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर को भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग माना जाता है। त्रिवेणी संगम पर स्थित यह मंदिर गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र में समुद्र के किनारे स्थित है। सावन में भक्तों की यहां बड़ी संख्या में भीड़ होती है।

लिंगराज मंदिर, ओडिशा

आप सावन में लिंगराज मंदिर का भी दर्शन करने का प्लान कर सकते हैं। यह देश के प्रमुख शिव मंदिरों में से एक है। यह भुवनेश्वर का सबसे बड़ा मंदिर है। बताया जाता है कि इस मंदिर का निर्माण सोमवंसी राजवंश द्वारा किया गया है। इस मंदिर का दर्शन करने के लिए अच्छा समय सावन माना जाता है।

मुरुदेश्वर मंदिर, कर्नाटक

उत्तरी कर्नाटक में स्थित मुरुदेश्वर मंदिर भक्तों के बीच काफी लोकप्रिय है। यह स्थान भगवान शिव की दूसरी सबसे ऊंची प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर का मुख्य आकर्षण इसके आसपास का सुंदर परिदृश्य है। मूर्ति के पास एक 20 मंजिला मंदिर बनाया गया है जो भगवान शिव को समर्पित है। मंदिर के पास एक लिफ्ट भी बनाई गई है, जिससे पर्यटक विशाल प्रतिमा के शानदार दृश्य का आनंद ले सकते हैं।

कैलाश मंदिर, महाराष्ट्र

एलोरा में स्थित यह भारत के सबसे बेहतरीन शिव मंदिरों में से एक माना जाता है। इसे एलोरा के कैलाश मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि इस मंदिर के निर्माण में करीब 40 हजार टन वजनी पत्थरों को काटा गया था। यह एलोरा में मौजूद 34 मंदिरों का एक हिस्सा है। यह मंदिर 8वीं शताब्दी में बनाया गया था। सावन में इस मंदिर का दीदार जरूर करें।

हंसना मना है

जब किसी घर में बच्चा पैदा होता है, तो मां कहती है : इसकी नाक तो मुझ पर गयी है, बाप बोलता है : इसकी आंखे मुझ पर गयी हैं, चाचा : इसके बाल मुझ पर गए हैं, और वही बच्चा जवान होकर जब लड़की छेड़ता है, तो सब बोलते है, पता नहीं किस पर गया है।

एक दिन संता अपनी भाभी को पीट रहा था, राह चलते लोगो ने पूछा क्यों मार रहे हो इस बेचारी को? संता बोला : मेरी भाभी अच्छी औरत नही है, लोगो ने पूछा : क्यों क्या हुआ? संता बोला : यार मेरे सभी दोस्त मोबाइल पर लगे रहते है, और जिससे भी पुछू तुम लोग किस से बात कर रहे हो? तो सब बोलते है तेरे भाभी से।

परीक्षा में सवाल आया था... चैलेंज किसे कहते है? स्टूडेंट ने पूरा, पेपर खाली छोड़ दिया और आखिरी पेज पर लिखा- अगर हिम्मत है तो पास करके दिखाओ...

कहानी | तीन मछलियां

एक घने जंगल के अंदर बड़ा-सा तालाब था। उस तालाब में बहुत सारी मछलियां रहती थीं, जिनमें से तीन मछलियां एक-दूसरे की पक्की दोस्ती थी। इन तीनों का स्वभाव बिलकुल अलग था। इनमें से दो बहुत समझदार थीं। पहली संकट आने के पहले ही अपना बचाव कर लेती थी। दूसरी संकट आने पर अपनी सुरक्षा कर लेती थी, जबकि तीसरी सब कुछ भाग्य पर छोड़ देती थी। तीसरी मछली कहती कि अगर भाग्य में संकट होगा, तो हम कुछ नहीं कर सकते और भाग्य में नहीं होगा, तो कोई भी हमारा कुछ नहीं कर सकता। एक दिन एक मछुआरे ने देखा कि तालाब मछलियों से भरा पड़ा है। उसने तुरंत अपने बाकी साथियों को इस बारे में बताया। मछुआरे और उसके साथियों ने मछलियों को पकड़ने का फैसला किया, लेकिन मछली ने मछुआरे और उसके साथियों के बीच की बातचीत सुन ली थी। उसने तुरंत तालाब में रहने वाली सभी मछलियों को इकट्ठा किया और सारी बात बता दी। पहली मछली बोली कि हो सकता है कि कल मछुआरे आकर हमें जाल में पकड़ कर ले जाएं। उससे पहले ही हमें यह स्थान छोड़ देना चाहिए। तभी तीसरे मछली बोली कि अगर वो कल नहीं आए तो? यह हमारा घर है, हम कैसे इसे छोड़ कर जा सकते हैं। अगर भाग्य में लिखा होगा, तो हम कहीं भी हों मारे जाएंगे और नहीं लिखा होगा, तो हमें कुछ नहीं होगा। कुछ मछलियों ने तीसरी मछली की बात मान ली और वहीं रुक गईं। अन्य दो ने बाकी मछलियों के साथ तालाब छोड़ दिया। अगले दिन, मछुआरे ने अपना जाल डाला। जो मछलियां रह गईं थीं वे सभी पकड़ी गईं। जो मछलियां भाग गईं थीं उन सभी की जान बच गई और जो रुक गईं थी वे सभी मछुआरों के द्वारा पकड़ ली गईं। मछुआरे ने उन्हें एक टोकरे में डाल दिया, जहां सभी तड़प तड़प के मर गईं।

7 अंतर खोजें

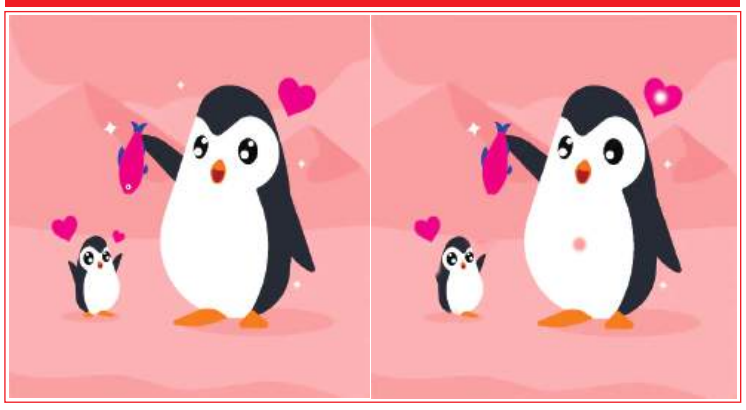

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

वृषभ

विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मिथुन

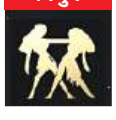

मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

कर्क

आत्मसम्मान बना रहेगा। प्रमाद न करें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी।

सिंह

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

कन्या

रुके हुए कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

तुला

यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

वृश्चिक

कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

धनु

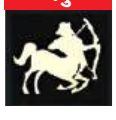

अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा।

मकर

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उतेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। आय बनी रहेगी।

कुम्भ

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा।

मीन

भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे देखकर खुशी होती है कि युवा भी आध्यात्मिकता से जुड़ रहा है : अनुराधा

जानी-मानी गायिका अनुराधा पौडवाल ने जयपुर में गुप्त वृंदावन धाम के एक कृष्ण भक्ति संगीत कार्यक्रम में परफॉर्म किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं की आध्यात्मिकता और भक्ति संगीत में बढ़ती दिलचस्पी के बारे में बात की। वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए पौडवाल ने कहा कि युवा पीढ़ी के ज्यादा लोगों को आध्यात्मिकता अपनाते और भजन गाते हुए देखकर उन्हें बहुत अच्छा लगा। शनिवार को एएनआई से की गई बातचीत में अनुराधा पौडवाल ने कहा, 'आज हम देख सकते हैं कि युवा भी आध्यात्मिकता से जुड़ रहे हैं। कई नए सिंगर भजन गा रहे हैं। यह बहुत अच्छी बात है। भगवान उन्हें सही रास्ता दिखाते हैं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है कि इतने सारे बच्चे एक साथ आए हैं। क्योंकि इससे उन्हें भविष्य में हिम्मत मिलेगी। अनुराधा पौडवाल भारत की सबसे मशहूर प्लेबैक और भक्ति संगीत गायिकाओं में से एक हैं। उनका करियर पांच दशकों से ज्यादा लंबा रहा है। उन्होंने बॉलीवुड, मराठी सिनेमा में भी काम किया है। अनुराधा पौडवाल को 1980 के दशक के आखिर और 1990 के दशक की शुरुआत में पहचान मिली। बाद में उन्होंने भक्ति संगीत में देश की सबसे लोकप्रिय आवाजों में से एक के तौर पर अपनी जगह बनाई। अनुराधा पौडवाल को कई सम्मान मिले हैं। 1990 की फिल्म आशिकी के गाने नजर के सामने के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला था। फिल्मों में गाए गानों के लिए उन्हें चार फिल्मफेयर अवॉर्ड मिल चुके हैं। वहीं कला के क्षेत्र में योगदान के लिए 2017 में भारत का चौथा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान पद्म श्री भी मिला है।

बॉलीवुड में एल्विश यादव ने मारी इंट्री टाइगर श्रॉफ के साथ आयेंगे नजर

बॉलीवुड | मसाला

एल्विश यादव ने अपने करियर की शुरुआत एक यूट्यूबर और कंटेंट क्रिएटर के तौर पर की थी। बाद में वो कई रियलिटी शो में भी नजर आए जिसके बाद वे घर-घर में पहचाने जाने लगे। एल्विश ने पिछले साल वेब शो औकात के बाहर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। अब खबर आ रही है कि वे बहुत जल्द बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन ने अपने प्रोडक्शन हाउस VJ फ्रेम्स का ऐलान किया है। उनकी पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ, अभिषेक बनर्जी और एल्विश नजर आएंगे। बिना नाम वाली इस फिल्म को रेमो डिसूजा डायरेक्ट करेंगे।

असल में, यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक एक्शन फ्रैंचाइजी होगी। फिल्म की शूटिंग 1 अगस्त से शुरू हो गयी है। तरण आदर्श ने एक ट्वीट के जरिए इसकी जानकारी दी।

वहीं एल्विस के फैन्स उनके बॉलीवुड डेब्यू को लेकर बहुत उत्साहित हैं। एक फैन ने ट्वीट किया, बहुत एक्साइटेड हूं और आप पर गर्व है एल्विश यादव, पिछले 10-12 सालों में आपने जो लगन और कड़ी मेहनत दिखाई है, उसका फल अब आखिरकार मिल रहा है। एक अन्य एक्स यूजर ने लिखा, ऑल द बेस्ट, एलविश यादव अपने नफरत करने वालों को गलत साबित करो जैसे तुम हमेशा करते हो भाई। एक और ने ट्वीट किया, बधाई हो भाई एल्विश यादव भाई, यूट्यूब पर वीडियो देखते थे पहले टीवी पर, अब सीधे सिनेमा हॉल में देखेंगे भाई, सब सपने पूरे हो रहे भाई, आई लव यू भाई, महादेव आपको आशीर्वाद दें।

एल्विश यादव बिग बॉस OTT सीजन 2, प्लेग्राउंड, MTV रोडीज XX: डबल क्रॉस, लाफ्टर शेफ्स और अन्य टीवी शोज में नजर आ चुके हैं। अब उनके फैंस बड़े पर्दे पर उन्हें देखने के लिए एक्साइटेड हैं।

अपनी परफार्मेंस के जरिये पहचान बनाना चाहती हैं अविका गौर

टीवी शो बालिका वधू में आनंदी के तौर पर लोगों का दिल जीतने से लेकर मुश्किल रियलिटी शो और फिल्मों में काम करने तक, अदाकारा अविका गोर ने दर्शकों का खूब दिल जीता। उनका कहना है कि अब वे अपनी दमदार परफॉर्मेंस के जरिए पहचान पाना चाहती हैं। वे चाहती हैं कि उन्हें शानदार भूमिकाओं के लिए दर्शक याद रखें। यही वजह है कि वे किरदारों का चयन भी काफी सोच-समझकर कर रही हैं।

अविका ने कहा कि वे सिर्फ ऐसे रोल नहीं करना चाहतीं, जिनमें किसी ऑब्जेक्ट की तरह दिखें। अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आ रही हैं, जो 01 अगस्त से शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि वे ऐसी स्क्रिप्ट चुनने को लेकर ज्यादा जागरूक और सतर्क हो गई हैं, जिनमें दमदार परफॉर्मेंस का मौका मिले।

उन्होंने कहा, मैं सिर्फ यह मानती हूं कि लोग मुझसे बहुत अच्छी परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं। कुछ ऐसे किरदार हैं, जो मैं अपनी फिल्मों में करती रहती हूं, जहां मुझे अभिनय करने का मौका मिलता है। मुझे यह दिखाने का मौका मिलता है कि मैं एक कलाकार के रूप में क्या करने में सक्षम हूं। इसलिए मुझे लगता है कि मेरा ध्यान हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने, सही किरदार चुनने पर होता है, जहां मुझे फिल्म में फर्नीचर बनने से ज्यादा कुछ करने का मौका मिलता है। यही वजह है कि मैं हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने और सही किरदार चुनने को लेकर बेहद सचेत रहूंगी।

टीवी शो बालिका वधू में आनंदी के किरदार से मशहूर हुई अविका ने कहा कि लगभग दो दशक बाद भी शो की लगातार लोकप्रियता के लिए वे शुक्रगुजार महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, मैं शुक्रगुजार महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि मैंने कुछ खास किया है। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि दर्शक आज भी उन्हें उस यादगार किरदार के तौर पर पहचानते हैं। शो में बिताए अपने समय को याद करते हुए अविका ने कहा कि किसी ने भी नहीं सोचा था कि बालिका वधू इतनी बड़ी और यादगार टीवी सीरीज बन जाएगी।

अजब-गजब | केरल के इस मंदिर की है अनोखी परंपरा

यहां खास उत्सव के दौरान पुरुष श्रद्धालु महिलाओं का रूप धारण करके करते हैं देवी की आराधना

भारत अपनी अनोखी धार्मिक परंपराओं और आस्था से जुड़ी मान्यताओं के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। यहां ऐसे कई मंदिर हैं, जिनकी परंपराएं पहली नजर में लोगों को चौंका देती हैं। केरल के कोल्लम जिले में स्थित कोट्टनकुलंगरा देवी मंदिर भी इन्हीं खास धार्मिक स्थलों में से एक है। इस मंदिर की सबसे बड़ी पहचान इसकी अनोखी परंपरा है, जहां एक खास उत्सव के दौरान पुरुष श्रद्धालु महिलाओं का पारंपरिक रूप धारण करके देवी की आराधना करते हैं।

हर साल यहां 'चामयाविलक्कु' नाम का प्रसिद्ध उत्सव आयोजित किया जाता है, जिसमें हजारों पुरुष श्रद्धालु साड़ी पहनकर, आभूषण धारण कर और पारंपरिक श्रृंगार करके मंदिर पहुंचते हैं। माथे पर बिंदी, बालों में गजरा और हाथों में चूड़ियां पहनकर जब श्रद्धालु देवी के सामने दीप जलाते हैं, तो पूरा मंदिर परिसर भक्ति और आस्था के रंग में रंगा नजर आता है। यह दृश्य देखने के लिए देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं।

इस परंपरा की एक खास बात यह भी है कि उत्सव के दौरान मंदिर के आसपास अस्थायी मेकअप स्टॉल और ब्यूटी पार्लर लगाए जाते हैं। यहां श्रद्धालु पारंपरिक तरीके से तैयार होकर

देवी के दर्शन के लिए जाते हैं। यह केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही आस्था और संस्कृति का हिस्सा माना जाता है।

इस अनोखी परंपरा के पीछे एक प्राचीन लोककथा भी प्रचलित है। मान्यता के अनुसार, कई वर्ष पहले कुछ चरवाहे लड़के खेल-खेल में महिलाओं का वेश धारण कर इस स्थान पर पूजा किया करते थे। उनकी सच्ची भक्ति से प्रसन्न होकर देवी ने उन्हें दर्शन दिए और आशीर्वाद प्रदान किया। तभी से यह विश्वास बन गया कि जो भी पुरुष सच्चे मन और श्रद्धा के साथ महिला का रूप धारण कर यहां पूजा करता है, उसकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

आज यह मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की विविधता और परंपराओं का भी प्रतीक बन चुका है। सोशल मीडिया पर भी इस मंदिर से जुड़े वीडियो और तस्वीरें अक्सर वायरल होती रहती हैं। पहली बार इस परंपरा के बारे में जानने वाले लोग हैरान जरूर होते हैं, लेकिन इसके पीछे छिपी आस्था और इतिहास को जानने के बाद इस अनोखी परंपरा की सराहना भी करते हैं। यह मंदिर आज भी लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है और अपनी अनूठी परंपरा के कारण पूरी दुनिया में अलग पहचान रखता है।

भारत ही नहीं.. दुनिया के इन देशों में आज भी जिंदा है रामायण, सुनाई जाती है श्रीराम की कहानी!

भगवान श्रीराम की कथा केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर नहीं है, बल्कि यह दुनिया के कई देशों की परंपराओं, कला और इतिहास का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इन दिनों फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा तेज है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि रामायण की गूंज भारत की सीमाओं से बहुत दूर तक सुनाई देती है। एशिया से लेकर कैरेबियन देशों तक इसके कई प्रमाण और सांस्कृतिक रूप आज भी देखने को मिलते हैं। थाईलैंड इसका सबसे बड़ा उदाहरण माना जाता है। यहां रामायण को 'रामाकियन' के नाम से जाना जाता है। भले ही यह एक बौद्ध बहुल देश है, लेकिन वहां की कला, शाही परंपराओं और सांस्कृतिक आयोजनों में भगवान राम की कथा आज भी जीवंत दिखाई देती है। बैंकॉक के कई ऐतिहासिक मंदिरों की दीवारों पर रामायण के दृश्य उकेरे गए हैं, जबकि पारंपरिक 'खोन' नृत्य में भी इस महाकाव्य की झलक साफ दिखाई देती है। इंडोनेशिया में भी रामायण का विशेष स्थान है। यहां इसे स्थानीय शैली में अपनाया गया और समय के साथ इसमें स्थानीय संस्कृति की झलक भी जुड़ गई।

जावा द्वीप के प्रसिद्ध प्रम्बानन मंदिर की दीवारों पर रामायण की कहानी पत्थरों पर उकेरी गई है। वहीं बाली में होने वाला रामायण बैले और पारंपरिक केचक डांस आज भी हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है। श्रीलंका में रामायण से जुड़े कई धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल मौजूद हैं। यहां सीता अम्मन मंदिर, अशोक वाटिका और रामायण ट्रेल जैसे स्थान श्रद्धालुओं और पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। मान्यता है कि इन जगहों का संबंध रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंगों से जुड़ा हुआ है। इसी कारण हर साल बड़ी संख्या में लोग इन स्थलों के दर्शन करने पहुंचते हैं। कंबोडिया में रामायण को 'रीमकेर' कहा जाता है। यहां इस महाकाव्य को स्थानीय संस्कृति और बौद्ध दर्शन के अनुरूप प्रस्तुत किया गया है। विश्व प्रसिद्ध अंगकोर वाट मंदिर की भव्य दीवारों पर रामायण के कई प्रसंग बेहद सुंदर ढंग से उकेरे गए हैं। इसके अलावा यहां के पारंपरिक नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों में भी यह कथा महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

नेपाल का जनकपुर माता सीता की जन्मस्थली माना जाता है। यहां स्थित जानकी मंदिर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। वहीं कैरेबियन देशों में बसे भारतीय मूल के लोगों ने भी रामलीला और रामायण की परंपरा को आज तक जीवित रखा है। रामायण की सबसे बड़ी खासियत यही है कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि संस्कृति, आदर्श, परिवार और मानवीय मूल्यों की ऐसी कहानी है, जिसने समय और सीमाओं को पार कर पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। यही कारण है कि आज भी अलग-अलग देशों में इसके अनेक रूप देखने को मिलते हैं और लोग इसे अपनी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा मानकर संजोए हुए हैं।

संसद में पप्पू यादव के ड्रामे पर बयानों की झड़ी

» टीएमसी व सपा ने उठाए सवाल

» वाराणसी में पप्पू यादव के खिलाफ एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सासंद पप्पू यादव ने संसद परिसर में गेरुआ वस्त्र पहनकर राम मंदिर चढ़ावा चोरी के कथित मामले को लेकर प्रदर्शन किया था। पप्पू यादव के संसद परिसर में गेरुआ वस्त्र पहनने को लेकर टीएमसी व सपा ने उनकी आलोचमना की है। सांसद कीर्ति आजाद ने प्रतिक्रिया दी है। संसद परिसर में भगवा पहनने की वजह से वाराणसी में पप्पू यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद पप्पू यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी. उन्होंने कहा था- एफआईआर से न तो राहुल गांधी कभी डरे हैं और न ही प्रियंका गांधी, इसलिए वह भी डरने वाले नहीं हैं।

उन्होंने कहा था-भगवा पहनने का अधिकार हमें नहीं है? जब गिरी को छद्म रूप से गेरुआ पहनकर चोरी करने का अधिकार है तो पप्पू यादव को गेरुआ पहनकर गेरुआ की रक्षा करने का अधिकार नहीं है और मैं खीरा-

ककड़ी हूं क्या? पप्पू यादव के संसद में प्रदर्शन के बाद उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए सरकारी आवास पर 2 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। जहां पर उस समय हंगामा मच गया, जब एक युवक ने कथित तौर पर उन पर चप्पल फेंककर हमला कर दिया।

संसद परिसर में पप्पू यादव ने जो किया गलत था : राम गोपाल

समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने सोमवार को सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने सनातन धर्म का अपमान करने के आरोप में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव और अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद समेत विपक्ष के नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यादव ने कहा कि सरकार का ध्यान नैरेटिव बनाने और दोष दूसरों पर मढ़ने पर है। राम गोपाल ने कहा कि यह गलत था, क्योंकि राम मंदिर में हुई चोरी से संतों का कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए, असल में यह एक गलत काम था, ऐसा नहीं होना चाहिए था। अगर सरकार खुद ही रचनात्मक काम नहीं करती, तो रचनात्मक अभिव्यक्ति के उभरने की कोई गुंजाइश नहीं रहती। इसके बजाय, वे एक नैरेटिव बनाने, तथ्यों को घुमाने-फिराने और दूसरों पर दोष मढ़ने के तरीकों पर ध्यान देते हैं। वे इसमें माहिर हैं।

पप्पू यादव ने तो दर्शाया कि किस तरह डकैती हुई : कीर्ति आजाद

कीर्ति आजाद ने आगे कहा- नितिन नवीन हनुमान जी को दौड़ा रहे हैं। ये सब संस्थान का सम्मान नहीं है। पप्पू यादव ने तो दर्शाया कि किस तरह डकैती हुई है। स्वामी नित्यानंद दास भगवाधारी हैं, गोविंद देव गिरि, दिनेंद्र दास जैसे लोग भगवाधारी हैं ट्रस्ट में इसमें इतने सारे भगवाधारी हैं।

कांग्रेस एक जहरीला सांप है : दयानिधि मारन

» विश्वासघात वाले बयान पर भड़की डीएमके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने और परिसीमन से जुड़े संभावित संविधान संशोधन विधेयक को लेकर राष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के तमिलनाडु दौरे के दौरान दिए गए बयान के बाद सहयोगी रहे कांग्रेस और द्रमुक के बीच तीखी जुबानी जंग और तेज हो गई है। पार्टी के वरिष्ठ सांसद दयानिधि मारन ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने कुछ मंत्री पदों के लिए हमारा भरोसा बेचा, उन्हें विश्वासघात की बात करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कांग्रेस को जहरीला सांप बताते हुए आरोप लगाया कि सत्ता पाने के लिए उसने भरोसे का सौदा किया। मारन का इशारा कांग्रेस द्वारा डीएमके से नाता तोड़कर तमिलगा वेत्री कषगम के साथ गठबंधन करने की ओर था। वहीं इस विवाद ने न केवल विपक्षी गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि भाजपा को भी राजनीतिक अवसर मिलने की चर्चा तेज कर दी है।

बता दें कि राहुल ने तमिलनाडु में कहा था कि यदि कोई भी दल संसद में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन करता है, तो वह तमिलनाडु के साथ विश्वासघात करेगा। उन्होंने ऐसे दलों की तुलना 21वीं सदी के एट्टप्पन से की, जिन्हें इतिहास में गद्दारी के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। राहुल के इस बयान को ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब राजनीतिक गलियारों में यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि डीएमके इस मुद्दे पर अपना रुख नरम कर सकती है। उधर, राहुल की टिप्पणी पर डीएमके ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। मारन ने कांग्रेस पर केवल राजनीतिक गठबंधन बदलने का ही आरोप नहीं लगाया, बल्कि तमिलनाडु से जुड़े कई संवेदनशील मुद्दों पर भी राहुल गांधी को घेरा। उन्होंने कहा कि जो नेता तमिलनाडु आकर कावेरी जल विवाद पर चुप रहते हैं, जो केवल परीक्षा में अनियमितताओं की बात करते हैं लेकिन नीट को पूरी तरह समाप्त करने की मांग नहीं करते और जो भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाते हैं।

छात्रों पर लाठीचार्ज व पैलेट गन का स्पष्टीकरण दे सरकार : खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष ने अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संसद में घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संसद में आकर प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर स्पष्टीकरण देना चाहिए। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए कि राम मंदिर को मिले चढ़ावे की 'चोरी' कैसे हुई। खरगे ने संसद भवन स्थित अपने कक्ष में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं की बैठक के बाद 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार को 'इंडिया' को जवाब देना होगा।

पहला, गृह मंत्री संसद में आएं और छात्रों पर लाठीचार्ज एवं पैलेट गन के इस्तेमाल की कार्रवाई पर स्पष्टीकरण दें। उन्होंने कहा, दूसरा, प्रधानमंत्री यह बताएं कि श्री राम मंदिर को श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया गया चंदा और चढ़ावा कैसे चोरी हो गया, जबकि ट्रस्ट प्रधानमंत्री की निगरानी में था। विपक्ष बीते 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग कर रहा है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की है। विपक्षी दलों की बैठक में खरगे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश और के. सी. वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव, तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के संजय राउत और अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी, माकपा के जॉन ब्रिटास और कई अन्य नेता शामिल हुए।

स्कॉलरशिप व एजुकेशन लोन से पूरी की पढ़ाई

» दीपके ने आरटीआई एक्टिविस्ट द्वारा उनके परिवार की वित्तीय जांच की मांग को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके की विदेश में हुई पढ़ाई और परिवार की आर्थिक स्थिति को लेकर शुरू हुआ विवाद गहराता जा रहा है। एक आरटीआई एक्टिविस्ट द्वारा उनके परिवार की वित्तीय जांच की मांग किए जाने के ठीक एक दिन बाद, दिपके ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका में उनकी उच्च शिक्षा का खर्च बोस्टन यूनिवर्सिटी की स्कॉलरशिप और एजुकेशन लोन के जरिए उठाया गया था।

सीनियर जर्नलिस्ट बरखा दत्त से बात करते हुए, डिपके ने उन बातों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि विदेश में उनकी हायर एजुकेशन का खर्च परिवार की

किसी अज्ञात संपत्ति से उठाया गया था। दिपके ने कहा, मेरी पढ़ाई का खर्च बोस्टन यूनिवर्सिटी से मिली स्कॉलरशिप से उठाया गया था। और मैंने कुछ एजुकेशन लोन भी लिया था जिसे मुझे अब चुकाना है। उन्होंने अपना स्कॉलरशिप लेटर भी दिखाया। 1 अगस्त को, सूरत के रहने वाले अमित तिवारी ने कई अधिकारियों के पास शिकायतें दर्ज कराईं - जिनमें महाराष्ट्र सरकार भी शामिल है - और डिपके के पिता भगवानराव डिपके की आर्थिक स्थिति की जांच की मांग की। भगवानराव डिपके, महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के रिटायर्ड जूनियर इंजीनियर हैं।

पेपर लीक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन में आम लोगों ने दिया साथ

पेपर लीक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन को याद करते हुए, दिपके ने दावा किया कि ज्यादातर समर्थन सीधे आम नागरिकों से मिला था। उन्होंने कहा, यह बिल्कुल साफ होना चाहिए। जो लोग विरोध प्रदर्शन में आए थे, उन्होंने देखा कि लोग हमें खाना दान कर रहे थे। लोग अपनी पानी की बोतलें खुद लेकर आए थे। दिपके ने यह भी दावा किया कि दिल्ली पुलिस के कुछ कर्मचारियों ने निजी तौर पर आंदोलन के लिए समर्थन जताया था। उन्होंने आरोप लगाया, दिल्ली पुलिस के कुछ लोग हमारे पास आए और कहा, हम आपको पानी की बोतलें देंगे, लेकिन हमारी पहचान ज़ाहिर मत करना। उन्होंने कहा कि उनके कुछ बच्चे भी नीट की तैयारी कर रहे थे और वे इस मकसद के प्रति सहानुभूति रखते थे, और इसीलिए वे हमें पानी की बोतलें देना चाहते थे।

राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग जारी रहेगी : अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर विकास कार्यों की समीक्षा की और जनता की समस्याओं व जरूरतों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि उनके दौरे का कोई निश्चित समय नहीं है और वे लगातार विकास कार्यों की निगरानी करते रहते हैं। उन्होंने यातायात व्यवस्था और बस टर्मिनल से बन रही वैकल्पिक सड़क का निरीक्षण भी किया।

राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार इस मांग को लेकर लगातार प्रयास कर रही है और यह केवल प्रतीकात्मक विरोध तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा पहले ही राज्य का दर्जा बहाली और संवैधानिक गारंटी से जुड़ा प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेज चुकी है।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में चौथे स्थान पर रहा भारत

» भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदकों के साथ कुल 39 पदक किए अपने नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्लास्गो। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का अभियान अंकतालिका में चौथे स्थान पर रहकर समाप्त हो गया है। भारत ने इन खेलों में 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदकों के साथ कुल 39 पदक अपने नाम किए। भारत राष्ट्रमंडल खेल के अंतिम दिन रविवार को कोई पदक नहीं जीत सका। अंतिम दिन ट्रैक साइकिलिंग और जूडो में भारतीय खिलाड़ी चुनौती पेश करने उतरे थे, लेकिन सफल नहीं रहे।

खास बात यह है कि इस बार भारत ने कुश्ती, बैडमिंटन और हॉकी जैसे अपने मजबूत खेलों के बिना भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मुक्केबाजी में रिकॉर्ड सात स्वर्ण, जूडो में पहली बार दो स्वर्ण और एथलेटिक्स में कई ऐतिहासिक उपलब्धियों ने भारत के अभियान को यादगार बना दिया। भारत की सबसे बड़ी सफलता मुक्केबाजी में रही जिसमें कुल 10 पदक आए। जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता बने। यामिनी मौर्य ने रजत और उन्नति शर्मा ने कांस्य जीतकर भारत को इस खेल में रिकॉर्ड चार पदक दिलाए। एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर में कांस्य जीतकर इतिहास रचा। वह एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में एथलेटिक्स के दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले वह 10,000 मीटर में रजत जीत चुके थे। वहीं प्रवीण चित्रावेल ने ट्रिपल जंप में रजत और सेल्वा प्रभु ने कांस्य पदक जीता। पैरा एथलेटिक्स में सोमन राणा ने पुरुष 57 शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता और मजबूत किया।

श्रीलंका दौरे से पहले भारत को झटका, बुमराह टेस्ट सीरीज से बाहर

मुंबई। भारत को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। जसप्रीत बुमराह चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और इसी वजह से उनका इस दौरे का हिस्सा नहीं होना तय है। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, बुमराह अभी भी इन्जैक्ट इंजरी से रिकवरी कर रहे हैं और मेडिकल टीम उन्हें जल्दबाजी में मैदान पर उतारने के पक्ष में नहीं है। हालांकि, ये चौंकाने वाली खबर है क्योंकि, दो दिन पहले यानी 31 जुलाई को ऐसी रिपोर्ट आई कि बुमराह ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और वह श्रीलंका में खेलने के लिए तैयार हैं। अब इस रिपोर्ट ने भारतीय फैंस को काफी निराश किया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को हर हाल में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतनी जरूरी है। बुमराह फिलहाल बेंगलुरु स्थित मेडिकल टीम की निगरानी में हैं। हालांकि उम्मीद थी कि वह दो सप्ताह के भीतर फिट होकर वापसी कर लेंगे, लेकिन अभी भी उन्हें घुटने में असहजता महसूस हो रही है।

यूपी विस मानसून सत्र की हंगामेदार शुरुआत

विपक्षी दलों द्वारा शिक्षक भर्ती, चंदा चोरी समेत विभिन्न मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा, सपा विधायक आलम बदी के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित

» कल सुबह तक के लिए कार्यवाही स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र आज से शुरू हो गया है। विपक्षी दलों द्वारा शिक्षक भर्ती, चंदा चोरी समेत विभिन्न मुद्दों पर हंगामा किया गया। साथ ही शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। वे बस बकवास करते हैं।

वहीं मंत्री संजय निषाद ने कहा कि 17 से पहले प्रदेश की जो हालत थी, वह 17 के बाद सीएम योगी के नेतृत्व में हुए विकास से बिल्कुल अलग है। उन्हें सदन में इस मामले पर चर्चा करनी चाहिए, उन्हें जवाब मिल जाएगा। ये वही लोग हैं जिन्होंने राम मंदिर बनने के दौरान लोगों की आस्था पर सवाल उठाए थे। उधर आजमगढ़ के निजामाबाद से सपा विधायक आलम बदी के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया। उनको श्रद्धांजलि देने के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई।

विधानसभा परिसर में विपक्ष के प्रदर्शन पर श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि जब भी सदन की बैठक होती है, आप उनका नाटक देखते हैं। उन्हें प्रदेश के विकास और राज्य की जनता की समस्याओं की कोई चिंता नहीं है। सरकार बार-बार कह रही है, अगर आपके पास सवाल हैं तो सदन में पूछें, लेकिन। आपके पास कोई सवाल नहीं है।

बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर होगी चर्चा : माता प्रसाद

विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सदन में चोरी, बिजली, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर हुए हमले पर कहा कि वहां कानून-व्यवस्था खराब है। शायद इसी वजह से उन पर हमला हुआ होगा।

नेता प्रतिपक्ष ने आलम बदी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि आलम बदी के निधन पर सीएम योगी की बात से हम सहमत हैं। उन्होंने आलम बदी के निधन से पहले उनके मेदांता में भर्ती रहने के दौरान का किस्सा सुनाया। कहा कि वह अपने स्वभाव में हटी थे। उनकी आयु 90 वर्ष से अधिक थी। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान भी वह चुनाव लड़ने के बारे में कह रहे थे कि हम अभी चुनाव लड़ेंगे। सीएम योगी ने आजमगढ़ के निजामाबाद से सपा विधायक आलम बदी के निधन पर शोक प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने आलम बदी के जीवन पर प्रकाश डाला।

स्पीकर ने दिवंगत विधायक को याद किया

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि आलम बदी का निधन 90 वर्ष की आयु में हुआ। उनका जन्म 16 मार्च 1936 को आजमगढ़ में हुआ था। उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। वह निजामाबाद से पांच बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित रहे। कौमी एकता मंच के संस्थापक थे। असहाय लोगों को सहायता देना उनकी प्राथमिकता थी।

दानपेटी लेकर विधानसभा पहुंचे सपा विधायक

मॉनसून सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी के नेता दान पेटी लेकर यूपी विधानसभा पहुंचे। सपा एमएलसी डॉ. मान सिंह यादव ने कहा कि भाजपा ने आस्था के नाम पर भगवान राम का इस्तेमाल किया है। जब उनका यह शोषण सबके सामने आता है, तो वे नई और पुरानी स्कूज़ बनाकर जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। ह्श्वश्वज्ञ पेपर लीक के मामले में धर्मेंद्र प्रधान ने दावा किया था कि पेपर लीक होना मुमकिन नहीं है, फिर भी ह्श्वश्वज्ञ का पेपर लीक हो गया। उन लोगों का अहंकार देखिए, कहते हैं कि उनकी सरकार में इस्तीफे नहीं होते। हालांकि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेकर उन्होंने अपने प्रधान (नेता) को बचा लिया है।

मानसून सत्र में सदन पहुंचे सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में हिम्मत है तो टॉप 20 अपराधियों की लिस्ट जारी करें। सभी लोग यह जान जाएंगे कि सभी अपराधी बीजेपी के हैं।

गडकरी के दावे पर कांग्रेस ने किया तीखा प्रहार

पार्टी बोली- ई20 पेट्रोल की बिक्री को लेकर लोगों में बढ़ रही है नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि देशभर में ई20 पेट्रोल की बिक्री को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है और वे जवाबदेही तथा पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल ने यह आरोप भी लगाया कि मोदी सरकार के मंत्री लोगों को यह भरोसा दिलाने में नाकाम रहे हैं कि ई20 पेट्रोल पूरी तरह सुरक्षित है, क्योंकि इसके समर्थन में कोई ठोस आंकड़े या रिपोर्ट उपलब्ध नहीं हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 29 जुलाई को संसद में ई20 पेट्रोल के देशव्यापी क्रियान्वयन पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा दिए गए जवाब से समाधान की बजाय और अधिक सवाल खड़े हुए हैं। उनके अनुसार, गडकरी का दावा है कि ई20 को सालों तक वैज्ञानिक परीक्षण के बाद लागू किया गया है और इससे वाहनों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचने का कोई प्रमाण नहीं है।

रमेश ने पर कहा कि लेकिन पिछले कई महीनों से देशभर के उपभोक्ता और मैकेनिक कम माइलेज, इंजन के प्रदर्शन में गिरावट, वाहनों पर ई20 दीर्घकालिक प्रभाव को लेकर चिंता, इंजन की अनुकूलता, ठंडे मौसम में स्टार्ट होने में दिक्कत, 23 से पहले बने वाहनों में तेजी से घिसावट, पुराने वाहनों में फ्यूल इंजेक्टर जाम होने, ईंधन पाइपों में जंग लगने तथा रबर के पुर्जों में दरार आने जैसी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं।

44 हजार वाहनों के मालिक पर सर्वे

रमेश ने दावा किया कि 23 से पहले बने 44,हजार से अधिक पेट्रोल वाहनों के मालिकों पर जून 26 में किए गए एक स्वतंत्र सर्वेक्षण में बड़ी संख्या में लोगों ने ई20 लागू होने के बाद प्रतिकूल प्रभाव महसूस होने की बात कही। उन्होंने कहा, सितंबर 25 में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जैव ईंधन के कारण वाहन या इंजन को नुकसान पहुंचने संबंधी शिकायतों को बकवास बताया था।

मोदी पर ट्रंप का दबाव! ई20 पर मार्च करूंगा : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की कि वे मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास तक एक मार्च का नेतृत्व करेंगे। इस मार्च का मकसद ई-20 पेट्रोल के रोलआउट का विरोध करने वाली एक ऑनलाइन याचिका सौंपना है, जिस पर 200000 से ज्यादा लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने कहा कि ई-20 पेट्रोल से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा के लिए अपॉइंटमेंट मांगने के लिए पिछले महीने प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र का कोई जवाब न मिलने पर वे खुद ये याचिकाएं सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि इन याचिकाओं में इस ईंधन से जुड़ी गाड़ियों की समस्याओं के बारे में लोगों की शिकायतें शामिल हैं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भारत ने अमेरिका से इथेनॉल खरीदने के लिए ट्रंप के सामने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लगातार बढ़ावा देना किसी छिपे हुए एजेंडे की ओर इशारा करता है।

सांसद अफजाल अंसारी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराने के मामले में समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी को राहत दी है।

एफआईआर को चुनौती देते हुए दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिस पर हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक अफजाल अंसारी की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी। गाजीपुर के थाना कोतवाली में 22 जुलाई 26 को अफजाल अंसारी के खिलाफ शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी।

अभिषेक बनर्जी की याचिका पर जल्द करें फैसला हो : सुप्रीम कोर्ट

» शीर्ष अदालत ने कलकत्ता हाईकोर्ट से किया अनुरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट से तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी की उस लंबित याचिका पर जल्द सुनवाई कर फैसला करने का अनुरोध किया, जिसमें उन्होंने आंख की विशेष चिकित्सा के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा विदेश यात्रा की तत्काल अनुमति नहीं दिए जाने के फैसले को चुनौती दी गई है। अभिषेक बनर्जी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि हाईकोर्ट में दाखिल आवेदन केवल अंतरिम संरक्षण आदेश में संशोधन की मांग से जुड़ा है, ताकि उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मिल सके।

एक साल से मौत का मुंह बनी हुई है सड़क

» पीडब्ल्यूडी बेखबर! बड़े हादसे का इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के वीआईपी क्षेत्र गोमती नगर स्थित फन मॉल की सर्विस रोड पर लोक निर्माण विभाग की लापरवाही हर दिन लोगों की जान जोखिम में डाल रही है। करीब 20 फीट चौड़ी यह सर्विस रोड नाले की टूटी हुई बाउंड्री के कारण धीरे-धीरे धंसती चली गई और अब सड़क महज लगभग 8 फीट तक सिमटकर रह गई है। इसके बावजूद विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की नींद नहीं टूटी।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि करीब एक वर्ष पहले इसी सड़क की बदहाली को लेकर अधिशासी अभियंता सतेंद्र नाथ से पक्ष लिया गया था। उस समय उन्होंने भरोसा दिलाया था कि सड़क को कल ही काम शुरू करा दिया जाएगा। लेकिन वह कल आज तक नहीं आया। एक साल गुजर गया, न सड़क बनी और न ही नाले की टूटी बाउंड्री की मरम्मत हुई। रात के समय इस सर्विस रोड से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए यह रास्ता किसी मौत के जाल से कम नहीं है। थोड़ी सी चूक सीधे नाले में गिरने का कारण बन सकती है। सवाल यह भी है कि यदि यहां कोई बड़ा हादसा हो जाए तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

गोमती नगर के इलाके में ये है हाल

गोमती नगर जैसे महत्वपूर्ण इलाके में स्थित इस सड़क की ऐसी दुर्दशा विभागीय कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। क्या लोक निर्माण विभाग को किसी की जान जाने का इंतजार है? क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही फाइलें खुलेंगी और मरम्मत का काम शुरू होगा?

लोक निर्माण विभाग अधिशासी अभियंता सत्येंद्र नाथ ने कहा कि शासन को रिपोर्ट भेजी गई थी एक साल पहले लेकिन मंजूरी ना मिलने कि वजह से काम नहीं हो पाया इस बार भी फाइल भेजी गई है वर्क ऑर्डर अगर मिल जाता है तो सड़क को बनवा दिया जाएगा।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**